मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 15 सितंबर 2017

भारत के पहले शहीद पत्रकार की याद में जेएमआई में व्याख्यानमाला की शुरूआत

देश के 1857 के पहले स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेज़ों द्वारा फांसी पर लटकाए गए पत्रकार मौलवी मुहम्मद बाक़र की याद में जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने एक व्याख्यान माला शुरू की है।

क़लम के जरिए आज़ादी की अलख जगाने में जुटे बाक़र को अंग्रेज़ों ने 1857 की पहली जंगे आज़ादी को कुचलने के बाद मौत के घाट उतार दिया था। कहा जाता है कि वह देश के पहले पत्रकार थे जिन्हें उनकी पत्रकारिता के लिए मारा गया।

जेएमआई के मीडिया एंड गवर्नेंस विभाग के निदेशक प्रोफेसर बिस्वजीत दास ने बताया कि मौलवी मुहम्मद बाक़र की सेवाओं को स्वीकार करते हुए उनकी याद में विभाग हर साल 16 सितंबर को ''बाक़र व्याख्यान माला'' का आयोजन करेगा।

इतिहासकार प्रोफेसर एसएम अज़ीजुद्दीन हमदानी ने इस व्याख्यान माला के उद्घाटन भाषण में कहा कि मौलवी बाक़र एक निडर और बेबाक पत्रकार थे जिन्होंने अपनी पत्रकारिता द्वारा स्वतंत्रता की कंदील को जलाया।

उन्होंने बताया कि मौलवी बाक़र ने 1836–37 में 'दिल्ली उर्दू अखबार' नाम से अखबार शुरू किया था, जिसमें साहित्यिक और सामाजिक लेखों के साथ.साथ सियासी लेखन शामिल थे। उन्होंने कहा कि बाक़र की बेबाक पत्रकारिता से अंग्रेज़ बहुत परेशान थे।

उनके अनुसार जब आख़िरी मुग़ल बादशाह बहादुर शाह ज़फर को आगे रख कर भारत के अन्य राजा और प्रजा गुप चुप बग़ावत की तैयारी में जुटने लगे तब बाक़र ने अपने अखबार का नाम दिल्ली उर्दू अखबार से बदल कर 'अखबारूल ज़फ़र'' कर दिया।

1857 की क्रांति पांच महीनों के बाद टूटने लगी तो अंग्रेज़ों का जुल्म सारी सीमाएं पार कर गया। हज़ारों लोगों को फांसी दी गई या गोली से उड़ा दिया गया।

इस बीच मौलवी बाक़र को 14 सितंबर 1857 को गिरफ्तार किया गया और 16 सितंबर को शहीद कर दिया । प्रोफेसर हमदानी ने बताया कि भारत के इतिहास में मौलवी मुहम्मद बाक़र पहले पत्रकार हैं जो अंग्रेज़ सरकार की क्रूर प्रणाली का शिकार हुए

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नागरिक अधिकार कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल मोरिया ने कहा कि इतिहास हमें एक सबक सिखाता है कि हक़ की लड़ाई में शामिल होने वाले पत्रकारों को ऐसे जोखिम उठाने पड़ते हैं और हाल में एक पत्रकार की हत्या इसकी गवाही देती है।

प्रो साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर

Prof. S.M. Azizuddin
Department of History, Jamia Millia Islamia
Venue: CCMG Video Conference Room
Date: Thursday, 14th September, 2017
Time: 2:00 pm